Self Respect

03-06-2014

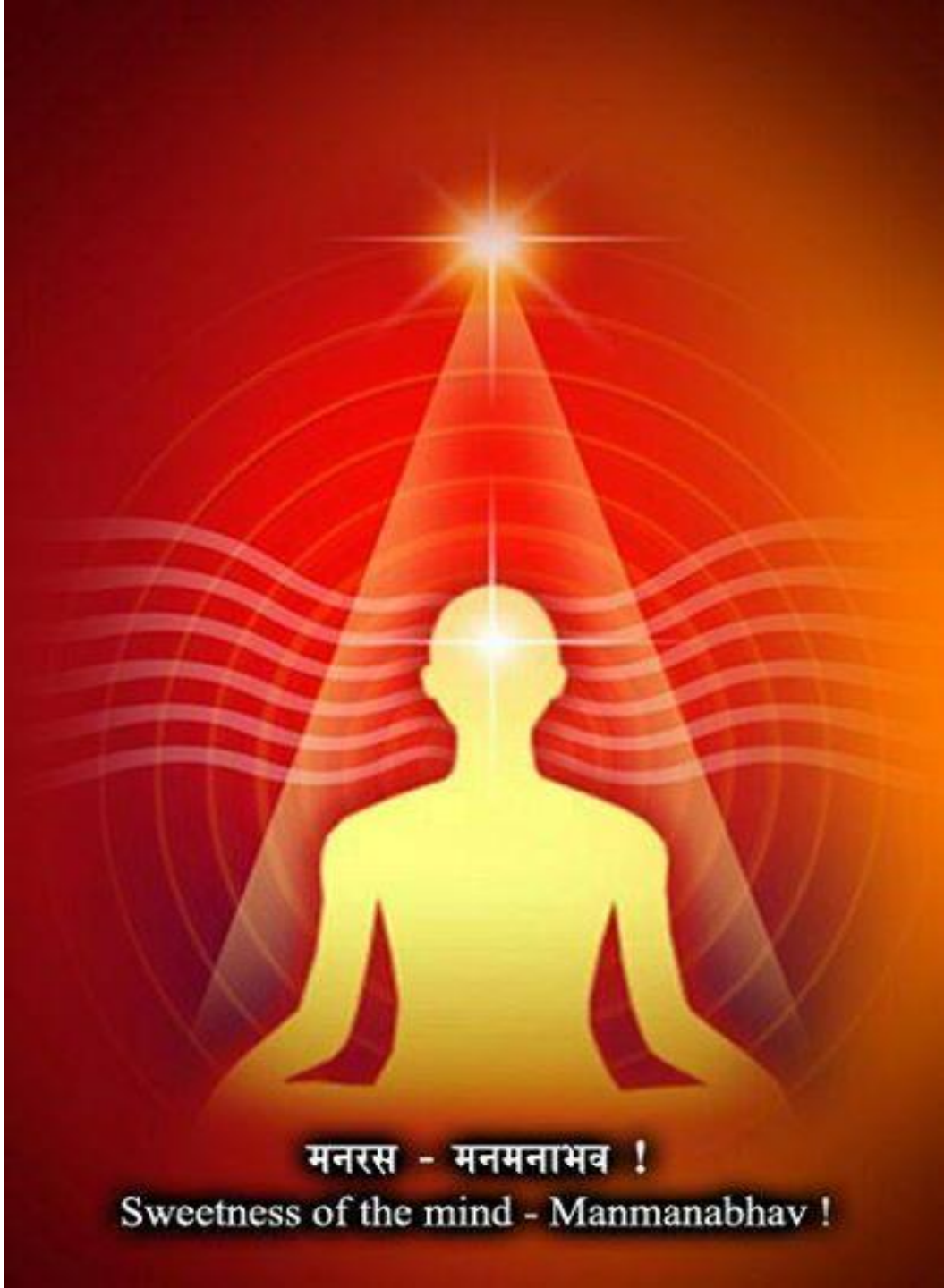

✓रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं | बच्चे जानते हैं हम बेहद के बाप के सामने बैठे हैं | हम ईश्वरीय परिवार के हैं | ईश्वर निराकार है | यह भी जानते हैं, तुम आत्म-अभिमानी होकर बैठे हो | अब इसमें कोई साइन्स घमण्ड वा हठयोग अदि करने की बात नहीं है | यह है बुद्धि का काम |

✓यहाँ बच्चे समझ बाप के सामने हम बैठे हैं | जानते हैं कि बाप हमको पढ़ा रहे हैं |

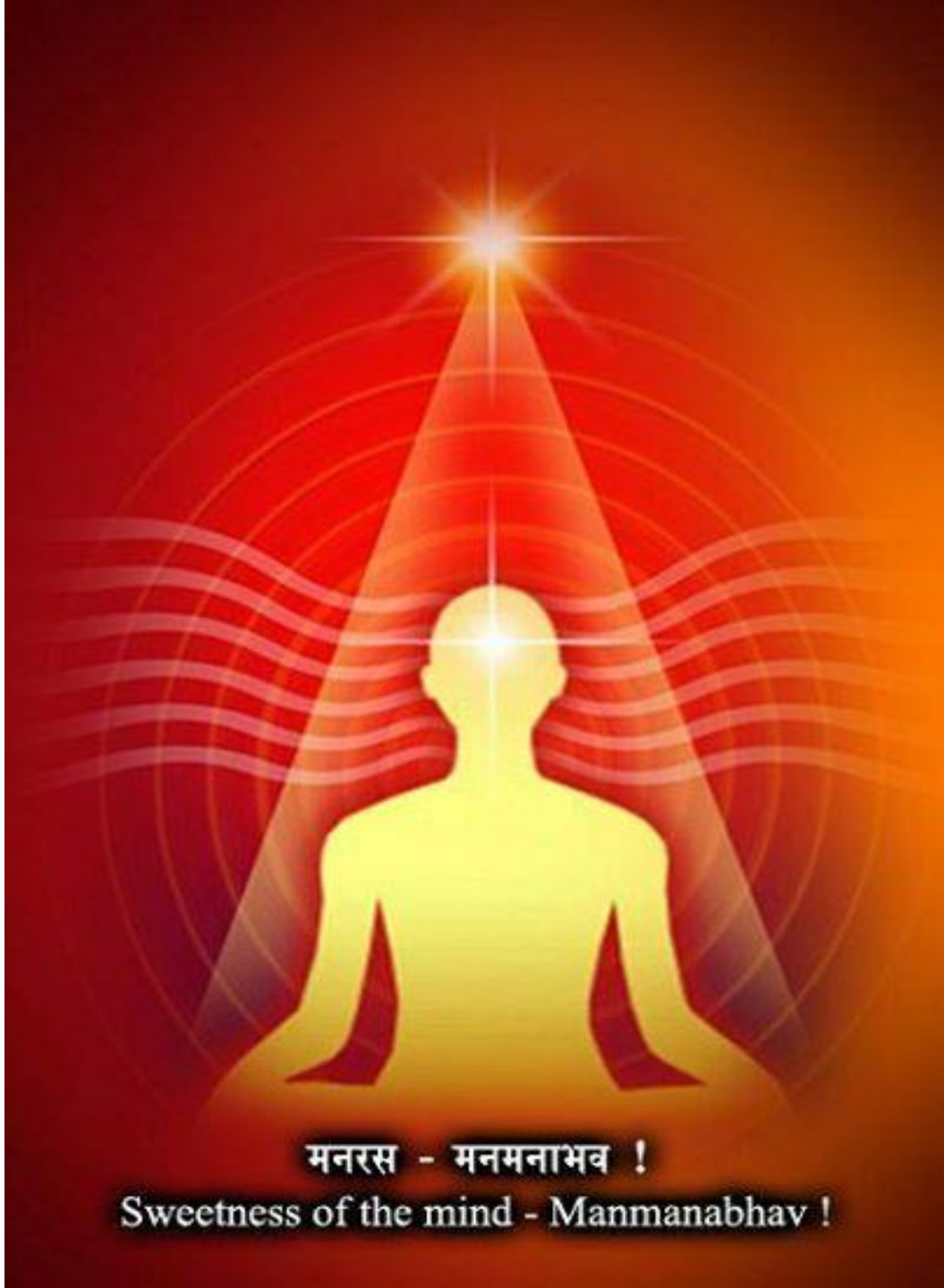

✓बेहद के बाप को कोई भी नहीं जानते | बाप से वर्सा तो ज़रूर मिलता है | तुम बच्चों को मुक्ति-जीवनमुक्ति धाम दोनों बुद्धि में हैं | बच्चों को यह भी समझना है कि हम अब पढ़ रहे हैं | फिर स्वर्ग में आकर जीवनमुक्ति का राज्य-भाग्य लेंगे | बाकी ढेर आत्मायें जो भी दूसरे धर्म वाली हैं, वह तो कोई भी नहीं रहेंगी | सिर्फ़ हम ही भारत में रहेंगे |

✓जानते हो हम भविष्य में सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण, सम्पूर्ण निर्विकारी बनते हैं | यह महिमा शरीरधारी आत्माओं की है, सिर्फ़ आत्मा की महिमा तो नहीं है |

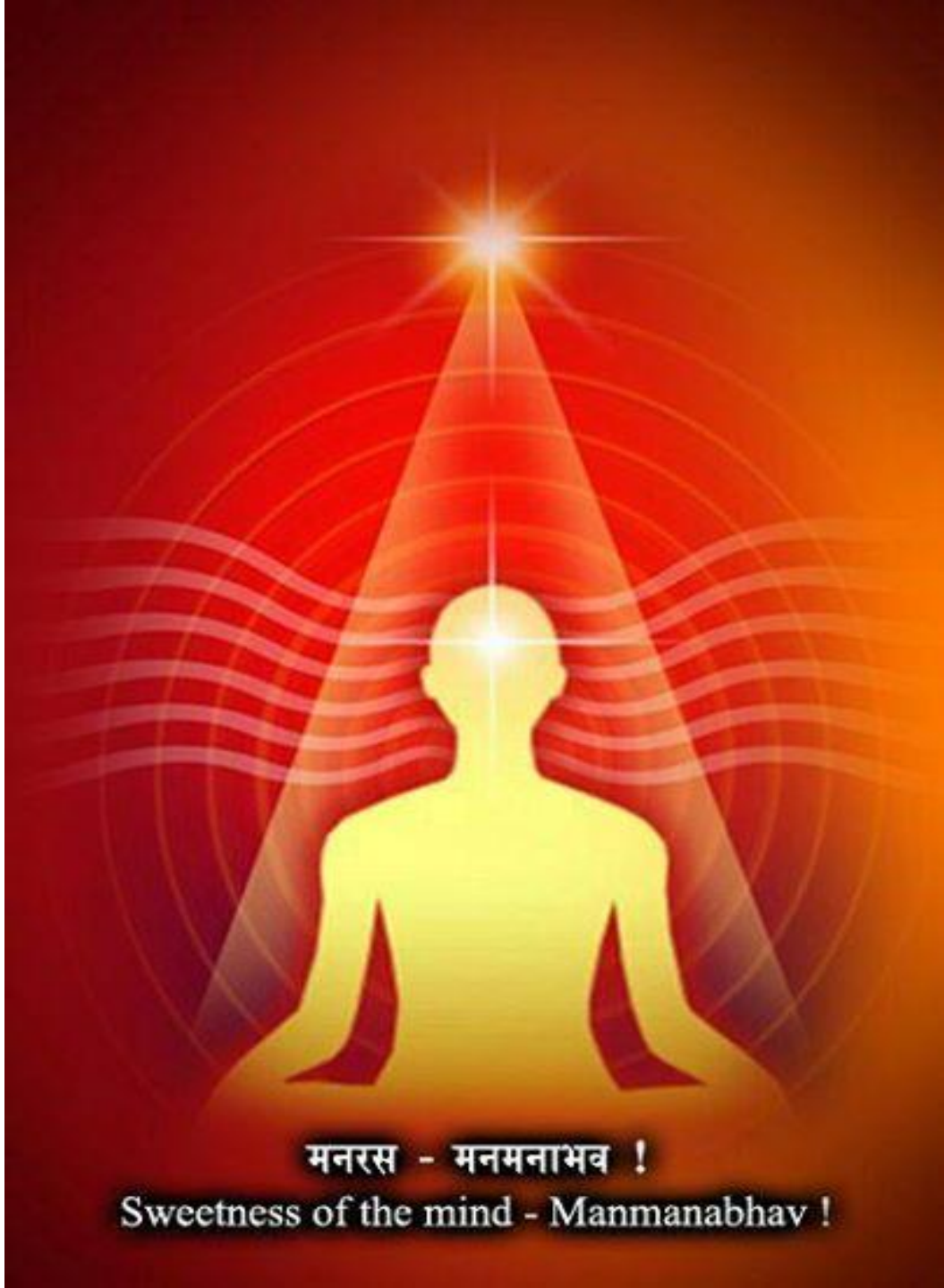

✓बाप, टीचर, गुरु भी तुमको मिला है | यह भी तुम जानते हो – ऊँच ते ऊँच भगवान् है | वह बाप, टीचर, ज्ञान का सागर भी है | बाप आये हैं हम आत्माओं को साथ ले जाने लिए | सतयुग में बहुत थोड़े देवी-देवता रहते हैं | यह बातें तुम्हारे सिवाए और कोई की बुद्धि में नहीं होगी | तुम्हारी बुद्धि में है कि विनाश के बाद हम ही थोड़े होंगे | और इतने सब धर्म, खण्ड आदि नहीं होंगे | हम ही विश्व के मालिक होंगे | हमारा ही एक राज्य होगा | बहुत सुख का राज्य होगा

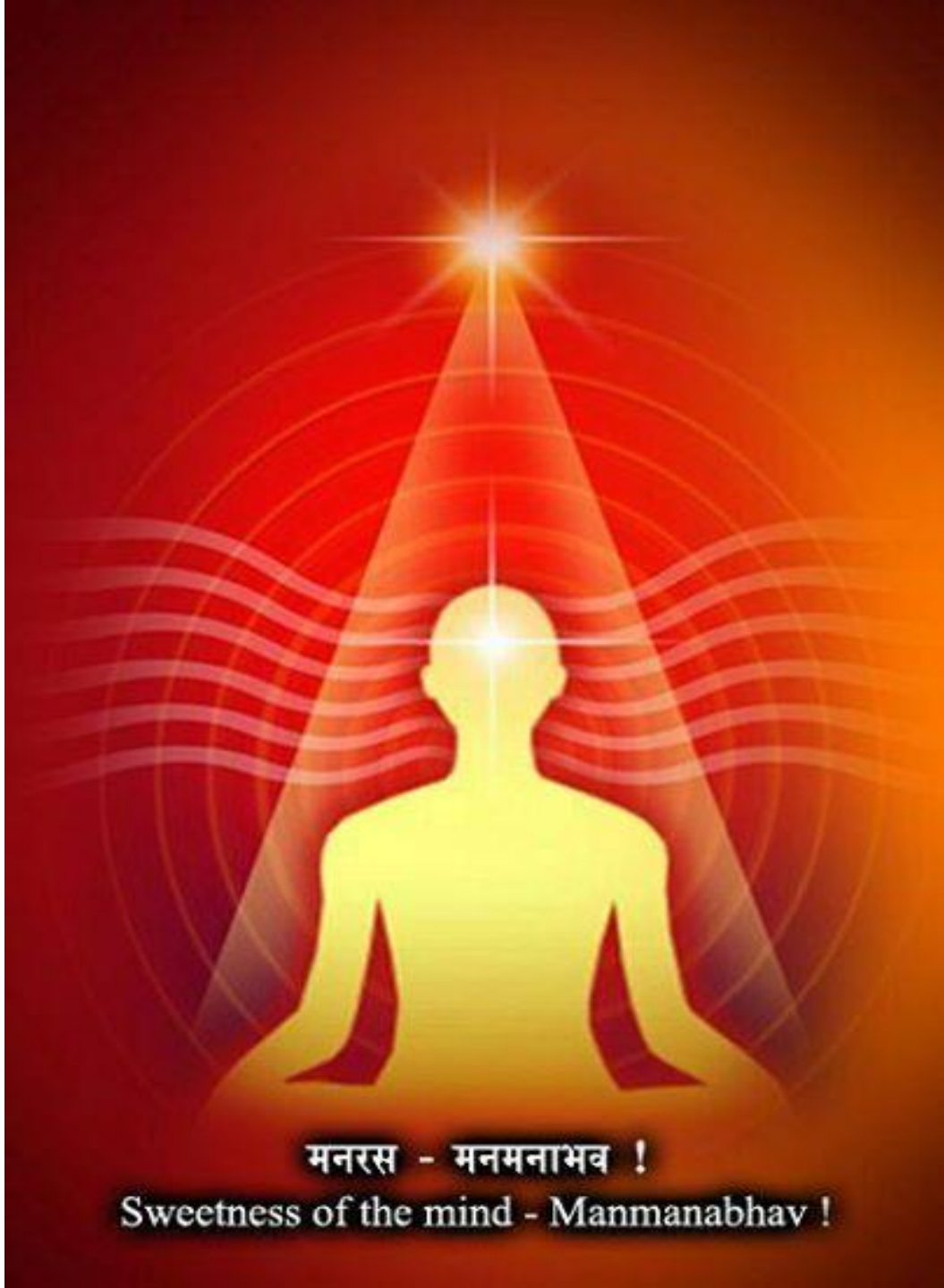

✓आत्मा अविनाशी, शरीर विनाशी है | आत्मा ही सारा पार्ट बजाती है | यह शिक्षा बाप एक ही बार आकर देते हैं जबकि विनाश का समय होता है | नई दुनिया है ही देवी-देवताओं की | उसमें ज़रूर जाना है | बाकी सारी दुनिया को शान्तिधाम जाना है, यह पुरानी दुनिया रहेगी नहीं | तुम नई दुनिया में होंगे तो पुरानी दुनिया की याद होगी? कुछ भी नहीं | तुम स्वर्ग में ही होंगे, राज्य करते होंगे | यह बुद्धि में रहने से ख़ुशी होती है | स्वर्ग को अनेक नाम दिये जाते हैं |

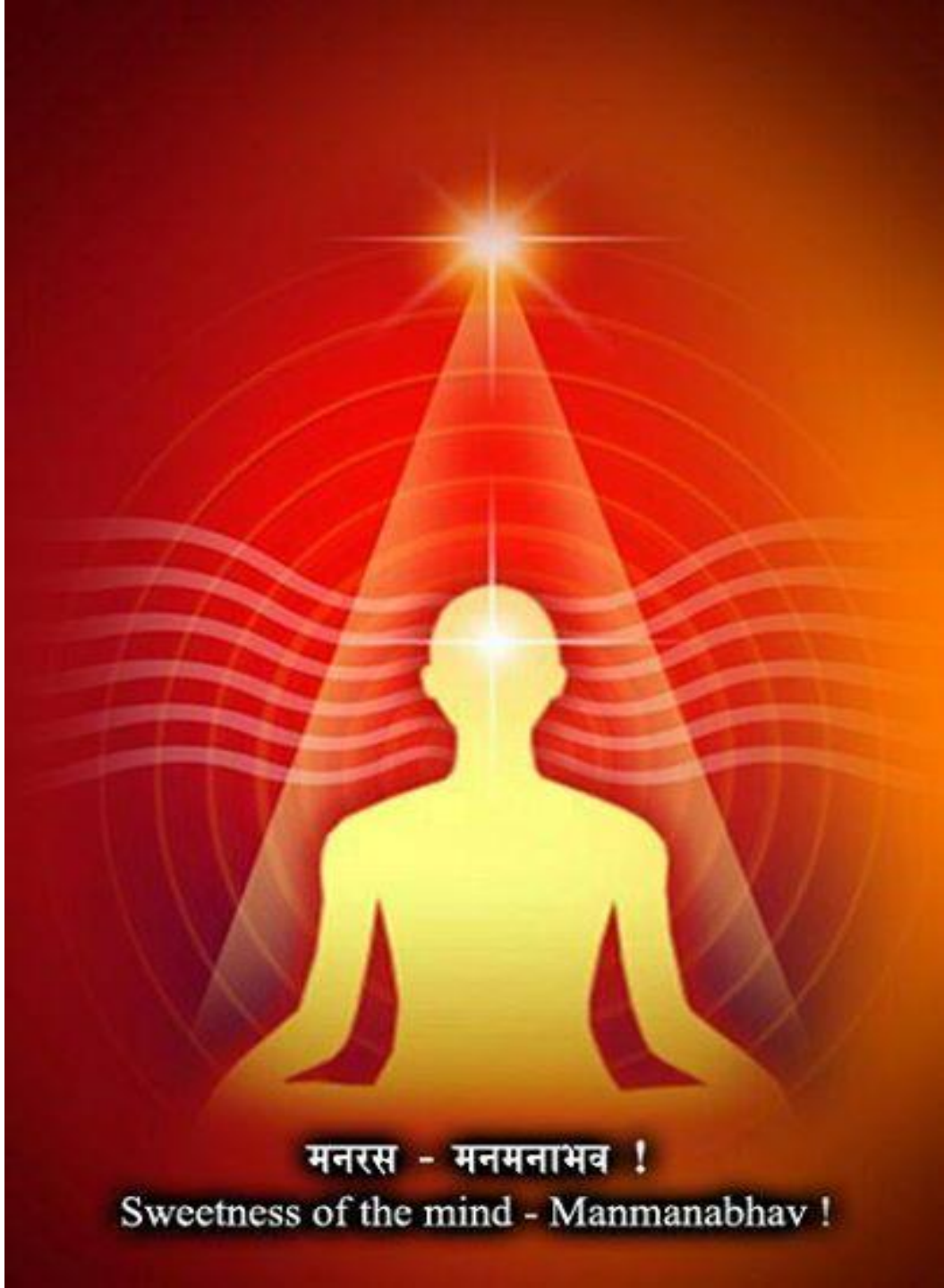

✓अभी तुम बच्चे जानते हो बेहद का बाप एक ही है | हम उनके सिकीलधे बच्चे हैं, तो ऐसे बाप से लव भी बहुत होना चाहिए | बाप का भी बहुत लव है बच्चों में, जो बहुत सेवा करते हैं, काँटों को फूल बनाते हैं | मनुष्य से देवता बनना है ना | बाप ख़ुद नहीं बनते हैं, हमको बनाने आये हैं | तो अन्दर में बहुत ख़ुशी होनी चाहिए |

✓बेहद का बाप भगवान् तुम्हारे पास आया है | तुम जानते हो ऊँच ते ऊँच है शिव भगवान् | उनके हम बच्चे हैं |

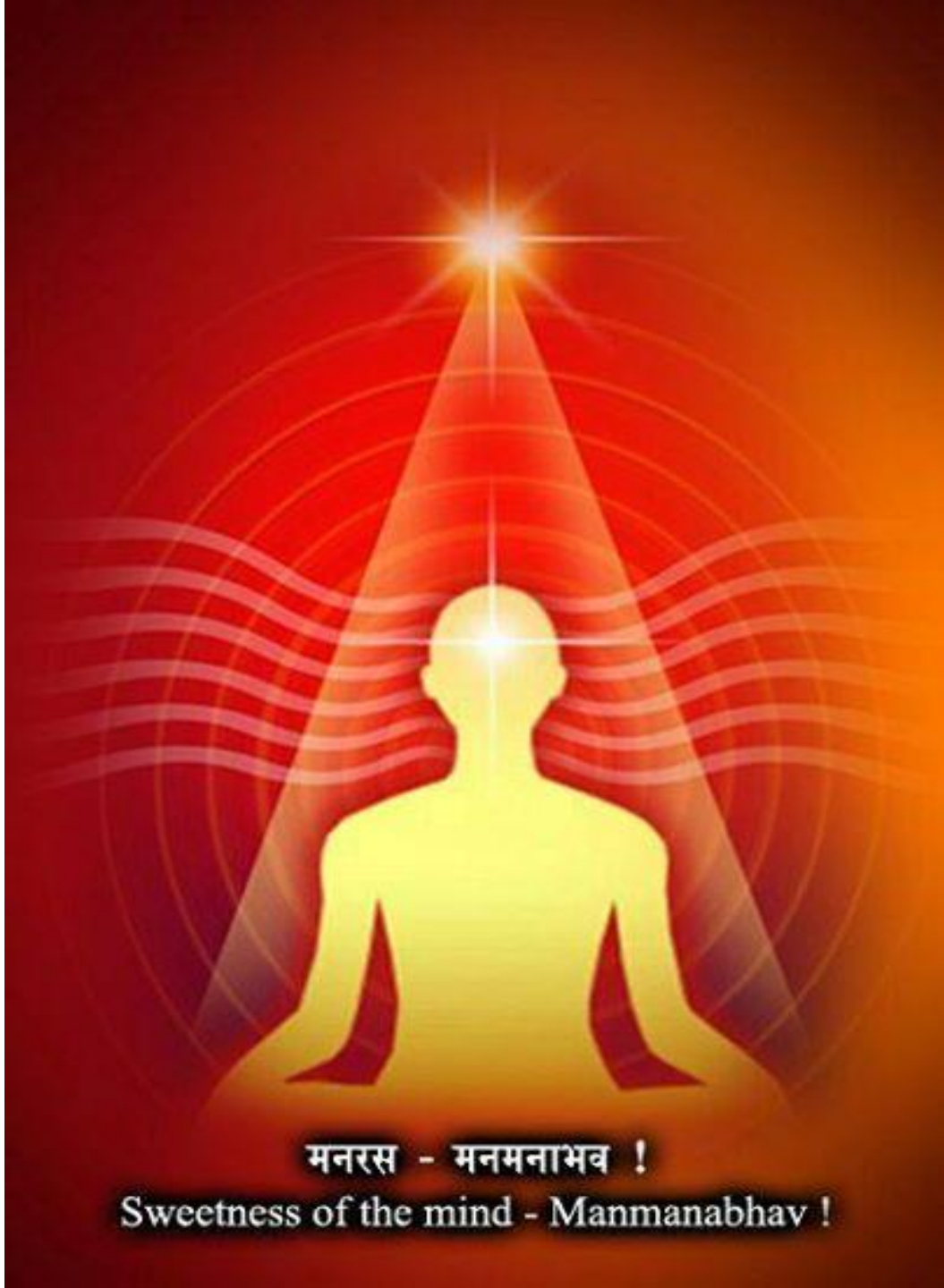

✓यह भी बहुत बड़ी गवर्मेन्ट है, पाण्डव गवर्मेन्ट अपना दैवी राज्य स्थापन कर रही है | बाप कहते हैं मैं तो राज्य नहीं करता | तुम पाण्डव ही राज्य करते हो | उन्होंने फिर पाण्डवपति कृष्ण को कह दिया है | पाण्डव पिता कौन है? तुम जानते हो – सामने बैठे हैं |

✓वह तो सिर्फ़ कहते हैं विश्व में शान्ति हो | शान्ति की प्राइज़ देते रहते हैं | यहाँ तुम बच्चे जानते हो, हमको तो बहुत भारी प्राइज़ मिलती है | जो अच्छी सर्विस करते हैं, उनको बड़ी प्राइज़ मिलती है | ऊँच ते ऊँच सेवा है – बाप का परिचय देना, यह तो कोई भी कर सकते हैं |

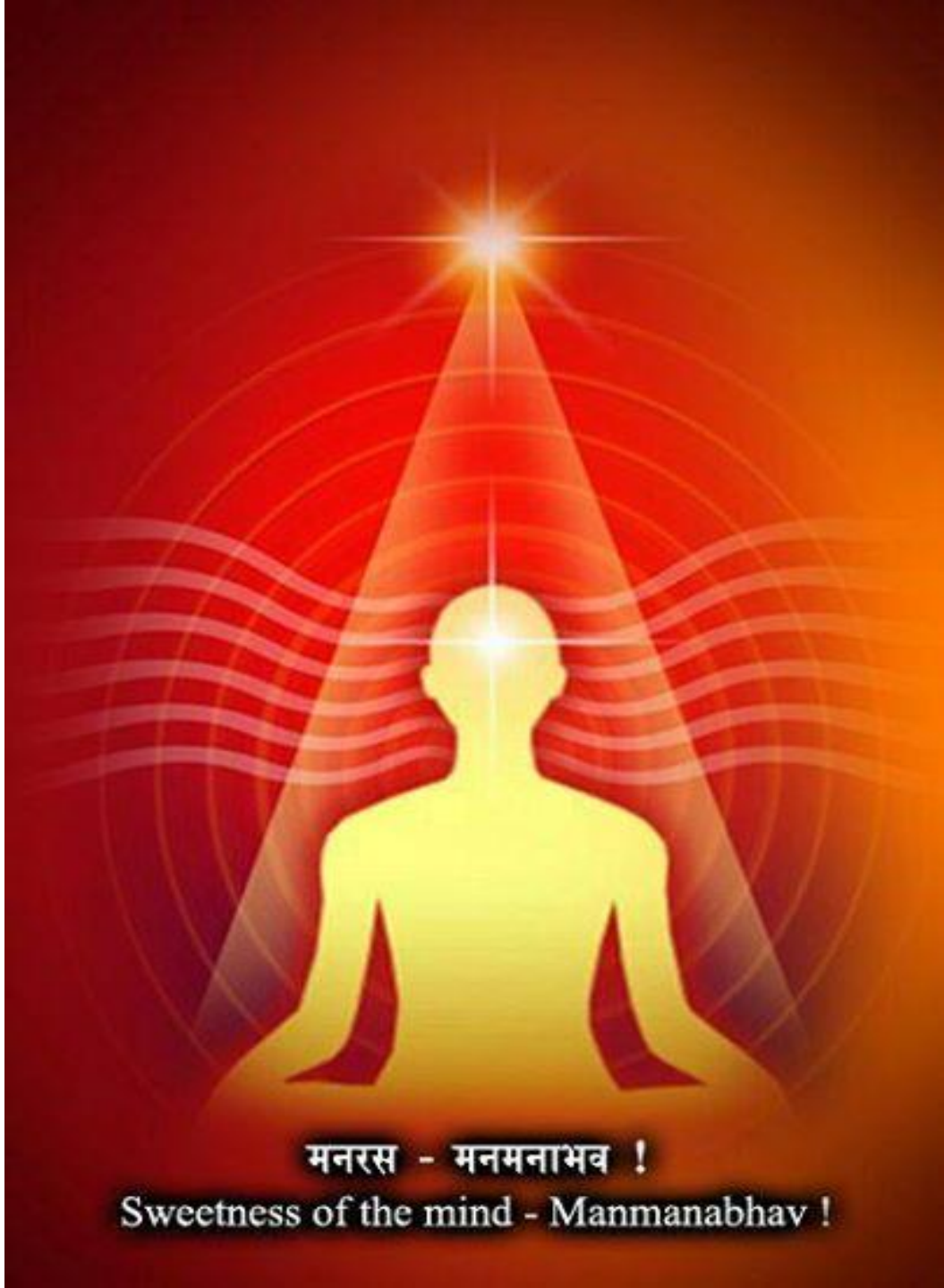

✓आगे तो देवताओं के आगे जाकर कहते थे हम पापी हैं | अब ऐसे नहीं कहेंगे क्योंकि तुम जानते हो हम अभी यह बन रहे हैं |

✓ज्ञान अमृत से प्यासी आत्माओं की प्यास बुझाकर तृप्त करने वाली महान पुण्य आत्मा भव

✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग | रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते |